



Quran Plus School



वुज़ू का तरीका

जाफ़री (शिया)

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَيُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ

कुरआन 2:222

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए क़दम-ब-क़दम — क्या धोना है, किसका मसह करना है और क्या पढ़ना है।

क़दम-ब-क़दम

अरबी

हिंदी उच्चारण

हिंदी मतलब

यह गाइड इसकी है:



ऑनलाइन खोलें
पाँचों मसलक · चार्ट



वुजू का तरीका — जाफ़री (शिया)

इस फ़िक्ह का परिचय

शिया इस्ना अशरी फ़िक्ह, जो इमाम जाफ़र सादिक (अलैहिस्सलाम, 83-148 हिजरी) से मंसूब है। ज़्यादातर ईरान, इराक़, बहरैन, लेबनान, आज़रबाइजान और पाकिस्तान व भारत की शिया आबादी में माना जाता है। तफ़सीली मसाइल में अपने मरजा-ए-तक़लीद के फ़तवों पर अमल किया जाता है।

वुजू से पहले



पाक पानी इस्तेमाल करें और पानी बर्बाद न करें — चाहे दरिया के किनारे हों।



जो चीज़ पानी को खाल तक पहुँचने से रोके उसे उतार दें, जैसे नेल पॉलिश या रंग।



दाई तरफ़ से शुरू करें और इत्मीनान से, ध्यान से वुजू करें।



अगर ज़रूरत हो तो पहले बैतुल-ख़ला (टॉयलेट) से फ़ारिग हो जाएँ।

वुजू ज़रूरी है

- हर नमाज़
- ख़ाना-ए-काबा का तवाफ़
- कुरआन मजीद को छूना

वुजू किन चीज़ों से टूटता है (सब मसलकों में)

- पेशाब या पाख़ाना
- हवा का ख़ारिज होना
- गहरी नींद
- बेहोशी

बाक़ी चीज़ों में मसलकों का फ़र्क़ है — तुलना चार्ट देखें।

यह गाइड कैसे इस्तेमाल करें

- हर क्रदम पर रंगीन निशान इस फ़िक्ह में उसका हुक्म बताता है: फ़र्ज़, सुन्नत, वाजिब या मुस्तहब।
- ♦ का निशान बताता है कि इस क्रदम में मसलकों का फ़र्क़ है। मुफ़्त तुलना चार्ट में पाँचों एक साथ देखें।
- असल मतन अरबी है; उच्चारण वाली लाइन सिर्फ़ मदद के लिए है। सही तलफ़्फ़ूज़ किसी उस्ताद से सीखें।
- किसी बड़े के साथ मशक़ करें, यहाँ तक कि इत्मीनान से खुद कर सकें।

फ़र्ज़

वाजिब

सुन्नत

मुस्तहब

एहतिराम की बात

वुजू के ये पाँचों तरीक़े कुरआन (5:6) और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मसलक ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान गाइड है, जैसा कि हर मसलक में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़सील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।



वुजू का तरीका — जाफरी (शिया)

1 नीयत वाजिब

दिल में नीयत करें कि अल्लाह का हुक्म मानने के लिए ("कुर्बतन इलल्लाह") वुजू कर रहे हैं। "बिस्मिल्लाह" कहना मुस्तहब है।

बिस्मिल्लाह

📖 जाफरी फ़िक्ह की अहकाम की किताबें (मुस्तहब)

بِسْمِ اللَّهِ
بِاسْمِ اللَّهِ

मतलब: अल्लाह के नाम से।

2 हाथ, कुल्ली और नाक मसलकों में फ़र्क मुस्तहब

वुजू से पहले हाथ धोना, कुल्ली करना और नाक में पानी डालना मुस्तहब है।

3 चेहरा — ऊपर से नीचे मसलकों में फ़र्क वाजिब 💧 एक बार — दूसरी बार जाइज़

चेहरा बालों की जड़ों से ठोड़ी तक धोएँ, इतनी चौड़ाई में जितनी अँगूठे और बीच की उँगली के बीच आए। पानी ऊपर से नीचे की तरफ़ डालें।

4 दायाँ बाजू — कोहनी से उँगलियों तक मसलकों में फ़र्क वाजिब 💧 एक बार — दूसरी बार जाइज़

दायाँ बाजू कोहनी से उँगलियों के सिरों तक धोएँ (कोहनी समेत)।

5 बायाँ बाजू — कोहनी से उँगलियों तक मसलकों में फ़र्क वाजिब 💧 एक बार — दूसरी बार जाइज़

बायाँ बाजू भी इसी तरह धोएँ।

6 सर के अगले हिस्से का मसह मसलकों में फ़र्क वाजिब 💧 एक बार

दाएँ हाथ पर बची हुई तरी से — नया पानी लिए बग़ैर — सर के अगले हिस्से का मसह करें।

7 पाँव का मसह मसलकों में फ़र्क वाजिब 💧 एक बार

हाथों पर बची हुई तरी से, दाएँ हाथ से दाएँ पाँव के ऊपर उँगलियों से टखने के जोड़ तक मसह करें, फिर बाएँ हाथ से बाएँ पाँव का। पाँव का मसह किया जाता है, उन्हें धोया नहीं जाता।

8 तरतीब और तसलसुल मसलकों में फ़र्क वाजिब

यही तरतीब रखें, और इतनी देर न करें कि पहले धोए हुए अंग सूख जाएँ — दोनों वाजिब हैं।



वुजू का तरीका — जाफ़री (शिया)

9 वुजू के बाद मुस्तहब

यह पढ़ना मुस्तहब है:

वुजू के बाद — दुआ

जाफ़री फ़ि़ह की अहकाम की किताबें (मुस्तहब)

اَللّٰهُمَّ اجْعَلْنِيْ مِنَ التَّوَّائِبِيْنَ وَاجْعَلْنِيْ مِنَ الْمُتَطَهِّرِيْنَ
अल्लाहुम्मज्अल्नी मिनत्-तव्वाबीना वज्अल्नी मिनल्-मुततहिहीरीन

मतलब: ऐ अल्लाह! मुझे तौबा करने वालों में से बना दे और मुझे पाक रहने वालों में से बना दे।

★ याद रखने की बातें

हर अंग को एक बार धोना वाजिब है, दूसरी बार जाइज़ है और तीसरी बार जाइज़ नहीं। मोज़ों या जूतों पर मसह जाइज़ नहीं, सिवाय असली मजबूरी के। कानों और गर्दन का मसह नहीं किया जाता। कोई चीज़ पानी को खाल तक पहुँचने से न रोके।

किसी बड़े के साथ मश्क़

अम्मी-अब्बू या उस्ताद के सामने आहिस्ता-आहिस्ता वुजू करें। हर दिन एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार

पानी बचाएँ

मलते वक़्त नल बंद रखें। जिस दिन पानी ज़ाया किए बिना वुजू करें, एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार

वुजू के बाद मैं क्या पढ़ता हूँ

वुजू के बाद वाली दुआ ज़बानी लिखें।



वुजू का तरीका — जाफ़री (शिया)

मेरा वुजू ट्रैकर

हर नमाज़ से पहले अच्छी तरह वुजू करें तो एक गोला रंग दें।

हफ़्ता 1

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

हफ़्ता 2

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

जो क़दम मैं खुद कर सकता हूँ

1. नीयत ☐	2. हाथ, कुल्ली और नाक ☐	3. चेहरा — ऊपर से नीचे ☐
4. दायाँ बाजू — कोहनी से उँगलियों तक ☐	5. बायाँ बाजू — कोहनी से उँगलियों तक ☐	6. सर के अगले हिस्से का मसह ☐
7. पाँव का मसह ☐	8. तरतीब और तसलसुल ☐	9. वुजू के बाद ☐

उस्ताद के दस्तखत

वालಿದैन के दस्तखत



सर्टिफिकेट

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ

यह सर्टिफिकेट दिया जाता है

वुजू का तरीका क़दम-ब-क़दम सीखने पर — माशाअल्लाह!

जाफ़री (शिया)



तारीख

उस्ताद / वालिदैन